निष्ठा के बिना फल नहीं - वंदनाश्री

देवास, निप्र। गीता के उपदेश को सुनकर हम अच्छे कर्म के लिए प्रेरित जरूर होते हैं। किंतु जब तक कर्म अर्थात काम करते समय प्रभु का स्मरण नहीं रखोगे तो कर्म के प्रतिफल में अनुकुलता नहीं रहेगी।

अर्जुन के साथ स्वयं भगवान थे, उसी विश्वास ने अर्जुन को कर्म करने के लिए प्रेरित किया और अर्जुन ने अन्याय के विरूद्ध शस्त्र उठाए तथा महाभारत जैसे युद्ध में विजय प्राप्त की। कर्म के अनुसार फल मिलता है यह पूर्ण सत्य नहीं, कई बार हम अच्छे कार्य करते हैं फिर भी परिणाम अनुकूल नहीं होता, उसका कारण कर्म करते समय हमने परमात्मा को साक्षी नहीं माना। भगवान के प्रति निष्ठा के बिना कोई कर्म अनुकूल फल नहीं देता। यह विचार कैलादेवी मदिर पर हो रही संगीत एवं दृष्यमय श्रीमद भागवत कथा में बृजरत्ना वंदना श्री ने कहे।

बृज के कलकारों ने चरित्र के भाव में प्रवेश कर उपस्थितजनों को हर प्रसंग में इतना बांधे रखा। कथा में सती अनुसुईया के सतित्व का सजीव चित्रण किया। ब्रह्मा, विष्णु, महेश, माता पार्वती, ब्रह्माणी के साथ माता अनसुईया एवं नारद का सुंदर अभिनय को देखकर श्रोतागण नयनाभिराम हो गए। कथा में ध्रुव चरित्र का मार्मिक चित्रण किया। साथ ही ध्रुव तारे के अस्तित्व का वर्णन हुआ। आज ठाकुरजी के अवतरण की कथा दोपहर 3 बजे से होगी। व्यासपीठ की पूजा आयोजक मन्नुलाल गर्ग, दीपक गर्ग, जयेश गर्ग, हितेश गर्ग, हरीश गोयल, योगेश बंसल एवं राजेश अग्रवाल ने सपरिवार की।